तेरी मेरी खूब बनेगी खूब निभेगी श्याम भजन लिरिक्स

तेरी मेरी खूब बनेगी,
खूब निभेगी श्याम,
सेवक तुमको चाहिए,
मालिक मुझको श्याम।bd।

गंगा जल से तेरे चरण पखारुगां,
गंगा जल से,
गंगाजल से तेरे चरण पखारुगां,
घिस घिस चंदन तिलक लगाऊंगा,
रंग बिरंगे,
रंग बिरंगे बागे पहनाऊंगा तुझे श्याम,
तेरी मेरी खुब बनेगी,
खूब निभेगी श्याम,
सेवक तुमको चाहिए,
मालिक मुझको श्याम।bd।

फरमाओगे जो भी वही मैं करूंगा,
फरमाओगे,
फरमाओगे जो भी वही मैं करूंगा,
करूंगा मैं सेवा तेरी हाजरी भरूंगा,
रुचि रुचि,
रुचि रुचि बनाके खिलाऊंगा तुझे श्याम,
तेरी मेरी खुब बनेगी,
खूब निभेगी श्याम,
सेवक तुमको चाहिए,
मालिक मुझको श्याम।bd।

चरण दबाऊंगा मैं चवर डुलाऊंगा,
चरण दबाऊंगा,
चरण दबाऊंगा मैं चबर डुलाऊंगा,
होगी मेहर तेरी भजन सुनाऊंगा,
झूम झूम के,
झूम झूम के 'टीकम' रिजाऊंगा तुझे श्याम,
तेरी मेरी खुब बनेगी,
खूब निभेगी श्याम,
सेवक तुमको चाहिए,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मालिक मुझको श्याम।bd।

तेरी मेरी खूब बनेगी,
खूब निभेगी श्याम,
सेवक तुमको चाहिए,
मालिक मुझको श्याम।bd।

– गायक –
जयकुमार दीवाना (मुंबई)
– संपर्क –
8828188105

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com